भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक, डा. हिमांशु पाठक ने अनुसंधान केन्द्र, प्लाण्डु में लीची की किस्म स्वर्ण मधु के मातृ ब्लॉक की स्थापना की

डा. हिमांशु पाठक , सचिव, डेयर एवं महानिदेशक , भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा दिनांक 20 सितम्बर , 2023 को भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर , कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसन्धान केंद्र , प्लांडु, राँची में **लीची की किस्म स्वर्ण मधु** का पौधरोपण करके मातृ ब्लॉक का शुभारम्भ किया गया। स्वर्ण मधु , उच्च उत्पादन (लगभग 50 किग्रा. प्रति पौधा), नियमित रूप से फलने वाली और 80 से 85 दिनों में तैयार होने वाली तथा छेदक कीट की प्रतिरोधी बेदाना समूह की लीची की किस्म है जो झारखंड में उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा स्वर्ण मधु के 100 पौधों का रोपण किया गया। केन्द्र के प्रायोगिक प्रक्षेत्र के भ्रमण के दौरान भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निदेशक डा. अनुप दास एवं केन्द्र प्रधान डा. अरुण कुमार सिंह ने महानिदेशक महोदय को केन्द्र द्वारा विकसित की गयी विभिन्न उन्नत तकनीकों जैसे- सोलर पम्प साइज़िंग टूल , बासमती सोयाबीन की उन्नत किस्में , ग्राफ्टेड टमाटर, ब्रिमैटो, परवल की उन्नत किस्मों , देशी मुर्गियों एवं पशुओं के लक्षण निर्धारण , समेकित कृषि प्रणाली आदि से अवगत कराया गया। महानिदेशक महोदय द्वारा केन्द्र की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की गयी। इस दौरान प्रशिक्षु श्री अरविन्द कुमार सिंह, मैजेस्टिक मशरूम, तुपुदाना ने बताया कि अनुसन्धान केंद्र, प्लांडु से प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने बटन मशरूम का उत्पादन शुरू किया जो राँची के अलावा पड़ोसी राज्यों में भी भेजा जा रहा है। महानिदेशक महोदय द्वारा मशरूम की मार्केटिंग को बढ़ने पर बल दिया। इस अवसर पर भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, राँची के निदेशक डा. सुजय रक्षित, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना के निदेशक डा. अंजनी कुमार तथा भा.कृ.अनु.प. का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के सामाजिक-आर्थिक विस्तार प्रभाग के प्रभारी प्रमुख, डा. उज्ज्वल कुमार भी उपस्थित थे।